र्गरक्य।

म्बूद्र पर्देश अर्देद्र पर हेंग्रायदे कुद्र द्येय पर्दे प्राप्त हर पर्देश परि द्वारा प्राप्त हैं
ग्रेशग्री:५ग्राय:वर्ष:ग्राव,ग्राय:वर्ष:वर्ष:वर्ष:वर्ष:वर्ष:वर्ष:वर्ष:वर्ष
मी र्रे या अर्के विषानु प्राप्य समूप्य स्थाप्य दे ही र्रे वा
५१ २२८.२.वव.५.५.झे.सें.र.बे.लब.जब.चें.सं.तर्यं वर्षा (1)
ଶ୍ର ଓପ୍ରିୟ:ଅହୁଁ ସ୍ଟ୍ରମ୍ୟ ଅଷ୍ଟ୍ରୟ:ଶୁଁ ସ୍ଥା
र्) अक्ष्रश्रञ्जू र.स. दर्गेयायम् र. पर्यः क्ष्रां वश्यावतः स्वाश्याय हेर् राष्ट्रा(1)
5१ रदः सुग्रच विष्याचा · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
वर्ग हे ह्वॅं र श्चे हेव प्यत्र या(4)
बर महेब् महें क्रिंग हैं क्रिंग स्टाम बेब्र मन् न्या
वर हे हुँ र अर्द्धेव ने र में केंबा कुषायर यम् र या
र्) ब्रैंद्रायम् के ब्रैंद्रायम् प्राप्त क्रिक्त क्रिक क्रिक्त क्र क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक क
त्र अर्वेदः यथः क्रें क्र्वें दः चन्द्राया
ব্য মর্ক্সশ্নষ্ট্র মাত্রা(20)
बर र्नेब चन् राया(21)
य) श्रूर मुह्म प्राचन्द्र प्रा
ব্য মন্ত্রম্ম স্থ্রম বা
वर र्वे प्यम् र्या(21)
ব) মর্ন্নমূর্ব্

	_	•	
ł	"	•	
ı	ч	•	
,	١,	١.	

নং ক্রুশ্বর্মণ্র্যা(33)
भ्रा ग्राच्याम्यायम् तक्षायम् तक्ष्यायम् तक्ष्यायम् तक्ष्यायम् त्या
र्श यह्मायम्बद्दः ह्मामुस्ययः तक्ष्यः ।
र्डर व्रेंग्'य'ग्बुराहेंग् क्रुश्यर'दक्ष्ण्य(38)
स्र दिन हें म कुषायर दक्ष पा
र्श ह्रवाद्देव हें वाय क्वायर यम् ५ या
र्दर यहम्बार्यस्व हेंग्य मुख्य यम्य विष्टा ।
घर देवे मुक्रेन चें अर्घेट यम हे ह्यू र यम् पा
ष्य) ब्रम्पुर्यम् प्या(54)
ব্য মর্ছ্র্ শেষ্ট্রে শুর্ন্ত্র শ্রম্পর্য ব্যব্দ শ্রা
নং মার্ছ্রন্থেমা-স্ক্রন্ধ্রিম-জ্রী-বেল্লব্রন্থান্ব-বিশ্বা
ম) মই এম দাশ্বদেশ র্থন ————————————————————————————————————
মং নষ্ট্ৰ, নৰ্ভ্ৰান্ত্ৰীৰ বেশ্ৰী বাৰ্থ্বি।
र्च) र्नेत्र याम्यत्र चरित्र केत्र मङ्गत्र या(60)
र्दर ह्रेंबा प्रसाय हवा साय दे युद्र क्रेंब 'द्र बाबा या(64)
र्क्ष) नृहें सः ह्यु : चर्दे : सुवा सः न वा वा या
र्द्धर र्हेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रम् इत्रुप्तदेः भुग्नास्य त्वग्य।(77)
শ্ব ব্যুষ্যামন্ব্যা
प्रमुद्य पर्देश सर्देद्य पर दें वाश्वापते क्रुद्य त्योगाय प्राप्त कश्य परिद्य सम्पर्द स्थाय
ग्रेशकी:रग्रद्धाविर्ग्याक्षयावरःविर्ग्धावेष्यविर्भ्यावनरः
र्रेयः अर्क्षे 'बेब' ग्रु'ग्र'यश क्षेत्रं यथा हे 'क्षें र'दक्र, 'घ'ब्रुग्न व्यु'पदे 'क्षे'र्रेव। ······(82)

हें पर्यं व क्रूबा मी मिता अक्ष्य मी मिता प्राप्त हैं प्राप्त क्ष्य मिता प्राप्त हैं प्राप्त क्ष्य मिता क्ष्य क्ष्य मिता क्ष्य मिता

५४ वह्रवःचदेःदन्धःतःश्चरःकेषाःश्चेरःग्रेःषवःयवाःग्वयःयरःवयरःय।	(149
ষ) বট্রঝ'নই্ব'নশ্বমধ্যশ্বশ্বীম'ন	(149
वर ब्र्न् रडेग ब्र्नेर सर्वेद वेद केंब कुब यर यन्द य	(150
বং শ্লুনম্'ন্	
वस्व वर्षे सम्बद्ध वर्षे सम्बद्ध वर्षे सम्बद्ध वर्षे व	₹₹ ₩₩
ग्रिकामी:दग्रदायि:ग्रद्भावाद्याम्बद्धाःचरःमीद्भावाय्यःचर्	र्यु:५०८मी
र्रेयायर्कें बेबागु पायबाब्रुप्यात्ति र्या के बुँ र्रेव्।	(161
६५ तत्र्वातुःक्रॅबाञ्चुतेःधवःत्वानुवायरःचन्दःय।	(161
র্গ বন্ত্রিঅ'বর্গীব্'ঘশ্ব'মর্কমশ্বশ্বুহ'ব।	(161
तर केंशः श्रु अर्ळें व चे द ची केंश क्रुश्य य र प्रमृद्धा	
वर् श्रु पतिरे ह्र यावाया सर्दे र प्रश्न पा	(162
वर रदः स्वारायवगाया	(175
५१ व्रेन्यर्थे श्रुदे रूट्यवेद यन्य	(175
त्र श्चु प्रविदे द्व्याम्बम् श्चेरप्रस्व पा	(175
वर श्रु'यबेदिः इसःगवगः कुषः यरः यस् ५ : या	(187)
य१ रॅ'र्चे'क्रेर्'भु'यम्र'या	
यर धे:मेशर्केशक्रुंग्नम् प्रमा	(195
यद ग्रेंट्श श्रु प्रमृत्या	(222)
य र्श्वयाञ्चात्मन्दा	(246)
দৃং ব্ৰ'ন'ৰেধ্ৰীৰ'অশ্ব'শ্ৰী'ৰ্য্যনাৰীৰ'ন্দৃৰ্য্য	(256)
রুব স্থানমূ'ন	

५गा≍:कग

दर्वेदः व्यः द्वः प्रः द्वः वाः कुः द्वेः वा
নার্বস্থ্র মার্থ ম
गाद गार मीश्रायश्चुर प्रते त्रमुर प्रदार प्रदार प्रदार । (293)
न्सुअप्य अह्नाः हुः न्नो प्याप्र व्या
इंपर्द्वं र्केश ग्री मुख्य अर्द्धव न्यया प्रबार विदेश मुख्य है रहे प्राया प्रविद स्थी मे राय में न्या
শ্বনশন্ত্রন্ নির্বা (305)
বন্রঝ'নর্গাঁব্'নম্বার্মধ্যম্বাষ্ট্রমুম'না(305)
तन्नश्चासुर्केशः श्रुतिः अर्द्धवः केन् : नृदः नृत्ते : न्यः श्रेष्णशः यस्तृ : या
व्रेन्यः स्रुते द्वरामावमा यस्त्या
र् <u>देश</u> विम्हारा (336)
षे ने शक्ते शक्तु प्रमृत्य।
মহম্প্রশ্নী শ্লুমশ্বের্ণ অন্ত্রা
बॅदश श्रु च ब्र ५ च ।
শ্বুবাস্থ্যবন্দ্র
ন্ত্র'ন'বেদ্বীর'অশ্ব'শ্রী'র্ম'নার্না'নপ্'ন্'(422)
নমুখ-ব্ৰ'ন্ন্
अह्याभी देव प्रम्पा(451)